एवं च ते निश्चयमेतु बुद्धिर्दृष्ट्वा विचित्रं जगतः प्रचारम्।
सन्तापहेतुर्न सुतो न बन्धुरज्ञाननैमित्तिक एष तापः॥
इस संसार की विचित्र गति को देखकर आपकी बुद्धि यह निश्चित समझे कि मनुष्य के मानसिक कष्ट या संताप के लिए उसका पुत्र अथवा बंधु कारण नहीं है, बल्कि दुःख का असली निमित्त तो अज्ञान है।

सुप्रभात

अमर उजाला

my city

लखनऊ

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत 2076

बुधवार • 05.06.2019

Lucknow.amarujala.com

पर्यावरण सुधारने की लेनी होगी शपथ

अब तक वर्ष 2019 पूरे विश्व के लिए पर्यावरण से हुए नुकसान को भोगने वाला साबित हुआ है। अमेरिका के कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग, जापान में आए समुद्री तूफान, जर्मनी, फ्रांस में बर्फबारी और भारत में फेनी तूफान इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। इस पर्यावरण दिवस हमारे सामने मौका है कि हम प्रतिज्ञा लेकर पर्यावरण सुरक्षा के लिए सार्थक कदम उठाएं। वायु प्रदूषण रोकने को पृथ्वी को हराभरा बनाना जरूरी है। अपने घर और आसपास पौधे लगाने पर जोर दें। साथ ही सौर ऊर्जा को बढ़ावा दें। हमारी यह पहल अगली शताब्दी में प्रलय बचाने में योगदान देगी। – **प्रो. भरतराज सिंह,** पर्यावरणविद